Date : (1)

Q. मूल्यांकन का अर्थ स्पष्ट करते हुए, उद्देश्यो, प्रकार, आवश्यकता एवं महत्व को स्पष्ट कीजिए।

Ans **मूल्यांकन का अर्थ :-**

मूल्यांकन वह प्रक्रिया है जिसके आधार पर हम किसी छात्र के ज्ञान का आकलन करते हैं मूल्यांकन के द्वारा ही छात्र की किसी विषय मे कमियो, उसकी किसी विषय के प्रति रूचि और उसकी प्रतिभा का आकलन किया जाता है। मूल्यांकन का अर्थ सामान्यत: किसी वस्तु, विचार, पद्धति आदि के मूल्य को आंकने की प्रक्रिया के रूप में लिया जाता है।

मूल्यांकन का शाब्दिक अर्थ है - मूल्य का अंकन। मापन द्वारा किसी वस्तु का अंक प्रदान किया जाता है जबकि मूल्यांकन द्वारा उस व्यक्ति या वस्तु की स्थिति का पता लगाया जाता है। मूल्यांकन मूल्य निर्धारण की एक प्रक्रिया है। शिक्षा प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओ, व्यक्तियों विशेषकर छात्रो, अभिभावको, अध्यापको, प्रशासको तथा समाज के लिए मूल्यांकन का अत्यन्त महत्व है। मूल्यांकन के द्वारा ही छात्रो को अपनी शैक्षिक प्रगति का ज्ञान होता है।

कोठारी आयोग के अनुसार :-

"मूल्यांकन एक निरन्तर प्रक्रिया, सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली का एकीकृत भाग और शैक्षिक उद्देश्यो से पूरी तरह संबंधित है।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

EVALUATION

According to NCERT ⤵

"Evaluation is the process of determining the extent to which an objective is being attained, the effectiveness of the learning experiences provided in the classroom, how well the goals of education have been accomplished

— NCERT

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

रेमर्स एवं गेज के अनुसार :-

"मूल्यांकन के अन्दर व्यक्ति या समाज अथवा दोनों की दृष्टि में जो उत्तम है अथवा वांछनीय है, उसको मानकर चला जाता है।"

गुडविल के अनुसार :-

"शिक्षा में मूल्यांकन वह प्रक्रिया है, जिसके द्वारा यह निर्णय किया जाता है कि किसी वस्तु की मापित सीमा और परिमाण किसी मापदण्ड के आधार पर अवांछनीय है या वांछनीय है।"

मूल्यांकन के उद्देश्य

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। इसके द्वारा उनके मानसिक, शारीरिक, संवेगात्मक और सामाजिक विकास की ओर ध्यान देते है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षा में हुए परिवर्तनों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। बच्चों में गुणों योग्यताओं एवं कुशलताओं के आधार पर असमानतायें होती है। यदि एक बच्चा किसी काम को ठीक ढंग से कर सकता है तो यह जरूरी नही की दूसरा बच्चा भी उस काम को ठीक ढंग से कर सके। विभिन्न परीक्षणों के द्वारा वैयक्तिक विभिन्नताओं के बारे में पता लगाया जा सकता है। शिक्षकों तथा अभिभावकों को भी बच्चों को समझने में परीक्षण सहायता करते है। ऐसा तभी संभव है, जब हमें मूल्यांकन उद्देश्यों की जानकारी हो।

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन के उद्देश्य

- 1 ज्ञान की जाँच
- 2 विकास की जानकारी
- 3 अधिगम की प्रेरणा।
- 4. व्यक्तिगत विभिन्नताओ की जानकारी
- 5. निदान।
- 6. शिक्षण प्रभावशीलता ज्ञात
- 7 पाठ्यक्रम में सुधार
- 8 चयन
- 9 सहायक सामग्री की उपादेयता।
- 10 वर्गीकरण।
- 11 निर्देशन
- 12 प्रमाण पत्र प्रदान
- 13 मानको का निर्धारण।
- 14 परिवर्तनो की जाँच
- 15 आवश्यकताओ को समझने मे सहायक
- 16 उद्देश्यो की जानकारी
- 17. कुशलता की जाँच
- 18 योग्यता की जाँच
- 19 अभिभावको के लिए सहायक
- 20. अध्यापन का विकास

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन की आवश्यकता / महत्व

Date : 5

1. बालकों की योग्यताओं की जानकारी
2. उद्देश्य प्राप्ति की सीमा की जानकारी
3. छात्रों की उपलब्धि की जानकारी
4. शिक्षण में परिवर्तन में सहायक
5. वांछित सुधार के लिए
6. प्रदत्त ज्ञान की सीमा ज्ञात
7. बालको को प्रेरित
8. निर्देशन प्रदान में सहायक
9. निदानात्मक
10. पुर्नबलन में सहायक
11. उद्देश्य प्राप्ति के निर्धारण में सहायक
12. पाठ्यक्रम निर्धारण में सहायक
13. विद्यार्थियो वर्गीकरण में सहायक
14. शिक्षण विधियो की उपयोगिता में सहायक
15. परामर्श में सहायक
16. अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन की जानकारी
17. विद्यार्थियो रुचियो की जानकारी
18. मूल्य निर्धारण की प्रक्रिया
19. पाठयोजना में सहायक
20. संशोधन में सहायक
21. अध्यापको के लिए महत्वपूर्ण
22. शिक्षण - अधिगम की उचित जानकारी
23. शैक्षिक प्रगति का ज्ञान
24. समाज के लिए अत्यंत महत्व
25. विकास के लिए आवश्यक

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

मूल्यांकन की विशेषता

1. निरन्तरता
2. व्यापकता
3. असीमित
4. शिक्षा प्रक्रिया मे सुधार
5. परिमाणात्मक
6. गुणात्मक
7. लचीलापन
8. निदानात्मक
9. व्यवहारिकता
10. सरलता
11. शिक्षा संबंधी सभी भावनो के साथ संबंधित
    1. छात्र
    2. अध्यापक
    3. अभिभावक
    4. प्रशासन
    5. समाज
12. निश्चितता
13. उद्देश्यात्मक
14. उपयोगात्मक
15. निर्देशात्मक
16. निर्णयात्मक
17. प्रेरणात्मक
18. पृष्ठपोषण
19. अंकन प्रक्रिया
20. विश्लेषणात्मक
21. विश्वसनीयता
22. वैधता
23. वस्तुनिष्ठता
24. बहुआयामी

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Date 7

मूल्यांकन के कार्य / उपयोगिताएँ

(1) अध्यापक की कार्यकुशलता का मापन।
(2) बालक के व्यवहार संबंधी परिवर्तनों की जाँच।
(3) अधिगम कठिनाइयों का पता लगाना।
(4) विभिन्न श्रेणियों का पता लगाना।
(5) व्यक्तिगत आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक।
(6) सामाजिक आवश्यकताओं हेतु जानकारी प्रदान करना।
(7) उत्तम ढंग से सिखाने के लिए प्रेरित करना।
(8) पाठ्यपुस्तकों की जाँच कर अपेक्षित सुधार।
(9) विद्यार्थियों की प्रगति की रिपोर्ट तैयार करने में सहायक।
(10) समायोजन की समस्याओं के निराकरण में विद्यार्थियों की सहायता।
(11) शिक्षणोपरान्त अधिगमकर्ता की उपलब्धि की जानकारी प्राप्त।
(12) व्यक्तिगत भिन्नता का ज्ञान।
(13) कक्षोन्नति प्रदान करते समय विशेष महत्त्व।
(14) छात्रवृत्ति प्रदान करने में सहायक।
(15) सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करना।
(16) अनुसंधान के लिए सामग्री प्रदान करना।
(17) विद्यार्थियों की उपलब्धि का परीक्षण करना।
(18) शिक्षण कार्य में सफलता प्राप्त करने हेतु सहायक।
(19) लक्ष्यों को व्यवहारिक रूप देने में सहायक।
(20) शिक्षण प्रक्रिया तथा सीखने की क्रियाओं से उत्पन्न अनुभवों की उपयोगिता के बारे में निर्णय देना।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन का कार्य क्षेत्र

1. ज्ञान Knowledge
2. कुशलताएं Skills
3. रुचियां Interests
4. बोध Comprehension
5. योग्यताएं Abilities
6. सूचना Information

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन का कार्य क्षेत्र

Date : 9

मूल्यांकन का कार्य क्षेत्र अत्याधिक व्यापक है मूल्यांकन के क्षेत्र से हमारा उन क्षेत्रों से है, जिनमें व्यवहारगत परिवर्तन हो सकते है। दूसरे शब्दों में किसका मूल्यांकन किया जाए प्रश्न का उत्तर ही मूल्यांकन का क्षेत्र निर्धारित करना है। मूल्यांकन द्वारा हम व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का पता लगाते है। मूल्यांकन का संबंध केवल छात्र की बौद्धिक उपलब्धि से ना होकर उसके सम्पूर्ण व्यक्तित्व से है।

मूल्यांकन के क्षेत्र के अन्तर्गत छात्र के व्यक्तित्व के निम्न अंग है:-

(1) ज्ञान :- मूल्यांकन में इस बात का अध्ययन किया जाता है कि छात्र ने विषय - वस्तु के संबंध में कितना ज्ञान अर्जित किया है।

(2) कुशलताएँ :- कुशलताओं का संबंध पाठ्य विषय से संबंधित कुशलताओं से है।

(3) रुचियाँ :- इनका संबंध किसी वस्तु विषय या क्रिया को पसन्द या न करने से है।

(4) बोध :- बोध से तात्पर्य है कि छात्र सीखी हुई सामग्री को कितनी प्रकार से व्याख्या करने की क्षमता रखता है।

(5) योग्यताएँ :- छात्रों की योग्यताओं का ज्ञान करना।

(6) सूचना :- छात्र के ज्ञान के संबंध में कितनी सूचना का संकलन किया है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन के सोपान

1. उद्देश्यों का निर्धारण
   - (a) सामान्य उद्देश्यों का निर्धारण
   - (b) विशिष्ट उद्देश्यों का निर्धारण

2. अधिगम क्रियाओं का आयोजन
   - (a) शिक्षण बिन्दुओं का चयन
   - (b) शिक्षण क्रियाओं द्वारा उपयुक्त अधिगम अनुभव उत्पन्न करना
   - (c) व्यवहार परिवर्तन

3. मूल्यांकन
   - (a) अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन के जाँच हेतु उपयुक्त मापक उपकरणों का चयन
   - (b) प्राप्तांकों का विश्लेषण
   - (c) पृष्ठ पोषण
   - (d) उपचारात्मक
   - (e) उपयुक्त अभिलेख

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन के प्रकार

Date 11

मूल्यांकन जीवन पर्यन्त चलने वाली प्रक्रिया है तथा इसका क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत है इसकी सहायता से हम शिक्षण विधि, शिक्षण साधन, शिक्षण उद्देश्य, शिक्षा योजना आदि विधियो का मूल्यांकन किया जाता है।
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया मे मूल्यांकन को तीन भागो में बांटा जाता है।

(1) रचनात्मक या संरचनात्मक (Formative)
(2) योगात्मक या संकलनात्मक (Summative)
(3) निदानात्मक परीक्षण (Diagnostic)

"माइकल" स्क्रीवन" ने सन् 1967 मे मूल्यांकन की भूमिका पर चर्चा करते हुए दो भागो में विभाजित किया है। रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन। 1968 में "बेंजामिन ब्लूम" ने Learning For Mastry नामक पुस्तक मे इसका संप्रत्यय दिया।

(1) रचनात्मक मूल्यांकन :-
पढ़ाई के दौरान अधिगम की प्रगति को जानने, समझने और सुधारने के लिए जो मूल्यांकन किया जाता है उसे शिक्षण कालीन मूल्यांकन कहते है। इसका मुख्य उद्देश्य यह होता है की अध्यापक और विद्यार्थी को लगातार यह पता लगता रहे कि पढ़ाते समय मे अधिगम सफल या असफल रहा है। बच्चो की लगातार प्रतिपुष्टि के लिए रचनात्मक मूल्यांकन सहायक है। रचनात्मक मूल्यांकन के अध्यापक पढ़ाते समय यह जांच करते है कि

मूल्यांकन के प्रकार

1. रचनात्मक मूल्यांकन
   Formative Evaluation

2. संकलनात्मक मूल्यांकन
   Summative Evaluation

3. निदानात्मक मूल्यांकन
   Diagnostic Evaluation

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

बच्चे ने ज्ञान को कितना ग्रहण किया है। निर्माणात्मक मूल्यांकन पाठ के बीच-बीच में किया जाता है।

उदाहरण :-

हमारे आपके द्वारा छात्रों को पढ़ाने के उपरान्त विभिन्न परीक्षाओं और कार्यकलापों के द्वारा बच्चों की उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाता है। इसके द्वारा यह पता लगता है कि किस बच्चे ने कितना ज्ञान अर्जित किया है, कौन पिछड़ गया है और किस बच्चे में कितने बौद्धिक सुधार की आवश्यकता है।

Uses of Formative Evaluation :-

(1) अधिगम को बढ़ाने में सहायक
(2) प्रतिपुष्टि प्रदान करने में सहायक
(3) लक्ष्यों को स्थापित करने में सहायक
(4) पुर्नबलन प्रदान करने में सहायक
(5) कठिनाइयों को पहचानने में सहायक
(6) प्रेरणा प्रदान
(7) अधिगम को प्रभावी
(8) उद्देश्यों की प्राप्ति पर बल

ग्रीन लैंड के अनुसार :- "कमजोरियों के निदान के लिए, अधिगम प्रेरणा में सहायता देने के लिए, अधिगम के हस्तांतरण तथा स्थायित्व में वृद्धि करने के लिए उचित क्रियाओं की योजना निर्माण है।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

रचनात्मक मूल्यांकन

अध्यापक अवधि में रचनात्मक मूल्यांकन के आधार निम्न हैं-

(1) कक्षा परीक्षण

(2) छोटे- छोटे प्रश्न

(3) गृह कार्य

(4) कक्षा कार्य

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

संकलनात्मक मूल्यांकन

Date : 15

संकलनात्मक मूल्यांकन सत्र के अंत में होता है। अध्यापक द्वारा पढ़ाने के बाद यह देखना कि बच्चों ने ज्ञान को किस हद तक ग्रहण किया है। अर्थात हम काम को खत्म करके उसकी जांच करते हैं कि हमने कितना सीखा। संकलनात्मक मूल्यांकन का उद्देश्य यह मालूम करना होता है कि एक विशेष अवधि पूरी होने तक शैक्षिक उद्देश्यों को किस मात्रा में पूरा कर लिया गया है। इसका मुख्य प्रयोग कोर्स का ग्रेड देने या यह प्रमाणित करने के लिए होता है कि एक विशेष कार्यक्रम के पश्चात विद्यार्थी ने निर्धारित अधिगम उद्देश्यों को कितनी अच्छी तरह पूरा कर लिया है।

उदाहरण :-

विद्यालयों में होने वाले वार्षिक परीक्षा जिसमें छात्रों के पूरे साल में अर्जित किये गए ज्ञान का आंकलन किया जाता है, जिससे छात्र के अगली कक्षा में जाने और न जाने का निर्णय लिया जाता है।

Uses of Summative Evaluation :-

(1) सफलता की भविष्यवाणी
(2) अनुदेशन की शुरुआत
(3) प्रगति का ज्ञान
(4) छात्रों के ज्ञान के स्तर का मूल्यांकन
(5) दीर्घ कालीन निर्णयों को लेने में महत्वपूर्ण भूमिका
(6) छात्रों की उपलब्धि का मूल्यांकन
(7) व्यापक मूल्यांकन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

संकलनात्मक मूल्यांकन

संकलनात्मक मूल्यांकन के आधार

(1) कोर्स के अन्त में
(2) सत्र की समाप्ति पर
(3) अन्तिम व निर्णायक
(4) ग्रेड देने का आधार
(5) निर्धारित कोर्स

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

निदानात्मक मूल्यांकन

Date : 17

निदान शब्द एक चिकित्सकीय शब्द है निदानात्मक परीक्षण द्वारा विद्यार्थियों की अधिगम संबंधित कठिनाईयों तथा कमजोरियों का पता लगाया जाता है अर्थात वे कौन से कारण है जिनके द्वारा विद्यार्थी असफल हुआ है तत्पश्चात उपचारात्मक परीक्षण दिया जाता है। जो बच्चे असफल हो रहे है उन बच्चो के असफलता का कारण ढूंढना निदानात्मक मूल्यांकन कहलाता है।

विद्यालयों मे परीक्षणों का प्रयोग किया जाता है जिनसे यह ज्ञात होता है कि छात्रों ने क्या सीखा है। छात्रों के साफल्य के आधार पर उत्तीर्ण और अनुत्तीर्ण घोषित किया जाता है, श्रेणियों का आवंटन किया जाता है, यह कार्य सबसे जटिल और कठिन होता है। इसके अन्तर्गत यह ज्ञात करने का प्रयास किया जाता है कि उसके सीखने की कमजोरियाँ उसके सामान्य योग्यताओं एवं विशिष्ट योग्यताओं से किस प्रकार संबंधित है। इसके अन्तर्गत छात्रो के न सीखने के कारणों का पता लगाया जाता है।

उदाहरण :-

जब कोई विद्यार्थी बार-बार फेल होता है तो वह बहुत निराश हो जाता है और वह अन्य बालको से पिछड़ जाता है ऐसी स्थिति में उसकी असफलता तथा पिछड़ने के कारणों का पता लगाकर उसका उपचार आवश्यक हो जाता है। जिससे बालक की अधिगम संबंधित कठिनाइयों को दूर किया जा सके।

Scanned with CamScanner

निदानात्मक मूल्यांकन के गुण

(1) सुधारात्मक शिक्षण की व्यवस्था

(2) उपचारी शिक्षण विकासित

(3) विशिष्ट कमजोरियों को ढूंढना

(4) गुणात्मक परीक्षण

(5) वस्तुनिष्ठ परीक्षा

(6) व्यक्तिगत शिक्षण

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

निदानात्मक मूल्यांकन

ब्रुकर तथा मौलवी के अनुसार :-

"निदानात्मक परीक्षण का मुख्य उद्देश्य किसी विषय वस्तु में बालक की विशिष्ट कमजोरी को प्रकाश में लाना है ताकि कमजोरी के कारणों की छानबीन करके सुधार हेतु उपचारात्मक कदम उठाए जा सके।"

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

निदानात्मक परीक्षण के उद्देश्य

Date : (२०)

<1> किसी विशिष्ट विषय मे छात्रो की उपलब्धि की कमी का पता लगाना।

<2> विषयगत कमजोरी के कारणो का पता लगाना।

<3> अध्यापन प्रक्रिया मे सुधार लाना।

<4> सीखने की कमजोर परिस्थितियो का निवारण।

<5> अध्यापक को स्वयं के अध्यापन का मूल्यांकन करने मे सहायता प्रदान।

<6> छात्रो के सर्वांगीण विकास मे सहायक।

<7> शैक्षिक दृष्टि से पिछड़े बालको की हीन भावना दूर होती है।

<8> शैक्षिक प्रगति करने का अवसर प्राप्त

निष्कर्ष :-

निष्कर्ष रूप मे हम कह सकते है कि शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया मे मूल्यांकन का अपना विशेष महत्व है या कह सकते है कि मूल्यांकन के बिना शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया पूर्ण नही हो सकती है। हर तरह के मूल्यांकन का अपना - 2 विशेष महत्व है। मूल्यांकन के द्वारा ही हमे शिक्षको व विद्यार्थियो की प्रगति पता चलती है। जिससे समयानुकूल सुधार किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सतत और व्यापक मूल्यांकन
CCE

Date (1)

प्रस्तावना :-

सतत और व्यापक मूल्यांकन भारत के स्कूलों में मूल्यांकन के लिए लागू की गयी एक रीति है जिसे 2009 में आरम्भ किया गया था। इसकी आवश्यकता शिक्षा के अधिकार के परिप्रेक्ष्य में आवश्यक हो गया था। यह मूल्यांकन प्रक्रिया राज्य सरकारों के परीक्षा - बोर्डों तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा शुरू की गयी है।

भारत के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD Ministry of Human Resource Development) और केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE Central Board of Secondary Education) ने विद्यालय शिक्षा क्षेत्र में सुधार लाने के लिए दिनांक 20 सितंबर, 2009 को घोषित किया कि सतत और व्यापक मूल्यांकन CCE को सुदृढ़ बनाया जाएगा और अक्टूबर 2009 से कक्षा 9 के लिए सभी संबद्ध विद्यालयों में उपयोग किया जाएगा। परिपत्र में आगे बताया गया था कि वर्तमान शैक्षिक सत्र 2009-10 से कक्षा 9 और 10 के लिए नई ग्रेडिंग प्रणाली लागू की जाएगी।

सी.बी.एस.ई ने 6 अक्टूबर, 2009 को प्रशिक्षक - प्रशिक्षण फॉर्मेट में कार्यशालाओं के माध्यम से देश भर में सतत तथा व्यापक मूल्यांकन प्रशिक्षण देना आरंभ किया था।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

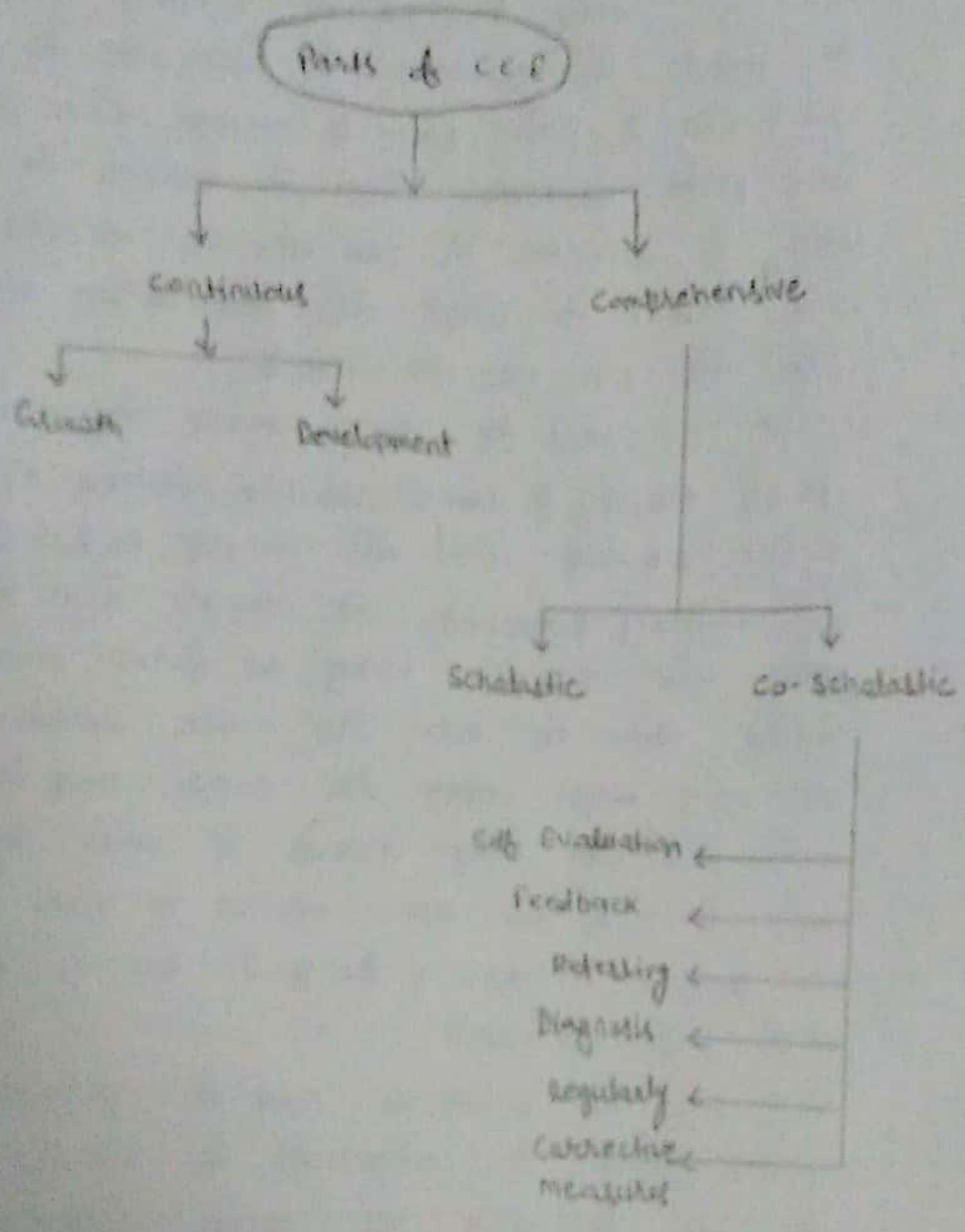

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Date : (3)

सतत तथा व्यापक मूल्यांकन :-

सतत तथा व्यापक मूल्यांकन का अर्थ है छात्रो के विद्यालय आधारित मूल्यांकन की प्रणाली जिसमे छात्र के विकास के सभी पक्ष शामिल है। सतत शब्द का अर्थ छात्रो की 'वृद्धि और विकास' के अभिज्ञात पक्षो का मूल्यांकन करने पर बल देना है, इसका अर्थ है निर्धारण की नियमितता, यूनिट परीक्षा की आवृत्ति, अधिगम के अंतरालो का निदान, पुनः परीक्षा, सुधारात्मक उपायो का उपयोग और स्वंय मूल्यांकन।

"व्यापक" का अर्थ है छात्रो की वृद्धि और विकास के शैक्षिक तथा सह- शैक्षिक दोनो ही पक्षो को शामिल करने का प्रयास किया जाता है। इसका लक्ष्य अच्छे नागरिक बनाना है जिनका स्वास्थ्य अच्छा हो, उनके पास उपयुक्त कौशल तथा वांछित गुणो के साथ शैक्षिक उत्कृष्टता हो।

संक्षेप में यहाँ विद्यार्थी का मूल्यांकन मात्र किसी एक परीक्षा पर निर्भर नही होकर उसके वर्ष-पर्यन्त कार्यो का नियमित मूल्यांकन करना है।

सतत व्यापक मूल्यांकन का उद्देश्य :-

सतत व व्यापक मूल्यांकन का प्राथमिक उद्देश्य किसी विद्यार्थी का विद्यालय उपस्थिति के दौरान उससे संबंधित प्रत्येक पहलु का मूल्यांकन करना है। इस विधि द्वारा विद्यार्थियो का सतत मूल्यांकन करते हुए परीक्षा के भय से मुक्त रखना है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सतत और व्यापक मूल्यांकन के लक्ष्य

(1) सी सी ई का मुख्य उद्देश्य बच्चे की विद्यालय मे उपस्थिति के दौरान उसके हर पहलू का मूल्यांकन करना है।

(2) बच्चो के तनाव को कम करना।

(3) मूल्यांकन को व्यापक व नियमित बनाना।

(4) निदान और उपचार के साधन प्रदान करना।

(5) वृहद कौशल वाले विद्यार्थियो का निर्माण करना।

(6) रचनात्मक शिक्षा के लिए शिक्षक को स्थान प्रदान करना।

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Date : 5

सतत और व्यापक मूल्यांकन के उद्देश्य :-

(1) शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया को शिक्षार्थी केन्द्रित गतिविधि बनाना।

(2) मूल्यांकन प्रक्रिया को शिक्षण - अधिगम की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग बनाना।

(3) शिक्षार्थी के विकास, अधिगम की प्रक्रिया, अधिगम की गति और अधिगम के परिवेश के लिए समय पर निर्णय लेना।

(4) आत्म मूल्यांकन के लिए शिक्षार्थियों को अवसर प्रदान करना।

(5) निदान और उपचार के माध्यम से छात्र की उपलब्धि मे सुधार के लिए मूल्यांकन प्रक्रिया का उपयोग करना।

(6) विचार प्रक्रिया पर जोर देना, याद करने पर नही।

(7) बोधात्मक, क्रियात्मक, भावात्मक कौशलो के विकास मे सहायता करना।

(8) सीखने की प्रक्रिया और सीखने के परिवेश के बारे मे उपयुक्त निर्णय।

Scanned with CamScanner

सी. सी. ई के पहलू

शैक्षिक

<शैक्षिक पहलुओं में पाठ्यक्रम संबंधी क्षेत्र शामिल है।>

सह-शैक्षिक

<सह-शैक्षिक मूल्यांकन के क्षेत्र छात्र के सामान्य ज्ञान, पर्यावरण शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, कला, संगीत, नृत्य और कम्प्यूटर के कौशल विकास पर केन्द्रित है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

(1) शिक्षा सूत्रों का अधिकतम प्रयोग हो।

(2) मूल्यों को उपदेश देकर नहीं वातावरण देकर स्थापित किया जाए।

(3) विशाल पाठ्यक्रम व मोटी किताबें शिक्षा प्रणाली की असफलता का प्रतीक है।

(4) तर्क पूर्ण बहस का विकास विद्यार्थियों में।

(5) छोटी उम्र में निपुण बनाने की आकांक्षा गलत।

(6) स्कूल से बाहरी जीवन में तनावमुक्त वातावरण प्रदान।

(7) जीवन्त कक्षागत वातावरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

(8) सहशैक्षिक गतिविधियों का आयोजन।

(9) पुस्तकालय में बच्चों को स्वयं पुस्तक चुनने का अवसर।

(10) सजा व पुरस्कार की भावना को सीमित प्रयोग।

(11) बच्चों के अनुभव को प्राथमिकता।

(12) बाल केन्द्रित शिक्षा प्रदान।

(13) सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मनोरंजन को स्थान।

(14) शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण।

(15) विद्यार्थियों के मूल्यांकन को सतत प्रक्रिया के रूप में अपनाना।

(16) अकादमिक संसाधन समय पर उपलब्ध।

(17) अधिगम की प्रक्रिया, गति और परिवेश के लिए समय पर निर्णय।

(18) उपलब्धि सुधार के लिए मूल्यांकन का प्रयोग।

(19) शिक्षार्थियों की व्यक्तिगत जाँच की अनुमति।

(20) विभिन्न अधिगम शैलियों को शामिल।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सतत और व्यापक मूल्यांकन की विधियाँ

1. सत्र परीक्षा
2. इकाई परीक्षा
3. मासिक परीक्षाएं
4. सेमेस्टर पद्धति

सतत और व्यापक मूल्यांकन के पक्ष

1. ज्ञानात्मक पक्ष
2. भावात्मक पक्ष
3. क्रियात्मक पक्ष

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

आकलन व निरन्तर मूल्यांकन की उपयोगिता

(1) अध्ययन की आदतो का विकास।

(2) आत्मविश्वास की वृद्धि।

(3) आपसी विचार- विमर्श के अवसर प्रदान।

(4) भविष्य मे सफलता की भविष्यवाणी।

(5) अन्तःक्रिया को प्रोत्साहित।

(6) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की कमियो को दूर करने मे सहायक।

(7) सभी पक्ष शामिल।

(8) समय- समय पर बालक को प्रतिपुष्टि

(9) उपयुक्त परिवर्तनो के अवसर

(10) शिक्षण अधिगम प्रक्रिया मे सुधार

(11) व्यक्तिगत योग्यताओ को प्रोत्साहित

(12) शिक्षण रणनीतियो को व्यवस्थित करने मे सहायक

(13) छात्रो की कमजोरियो की पहचान

(14) अध्यापक को प्रतिपुष्टि

(15) सर्वांगिण विकास की जांच मे सहायक

(16) अधिगम में सक्रिय भागीदारी का मंच

(17) निदान और उपचार मे सहायता

(18) छात्र को प्रतिक्रिया मिलने के बाद अपने स्कोर या प्रगति मे सुधार के अवसर प्रदान करता है।

(19) पारंपरिक प्रणाली की तुलना में प्रभावशाली।

(20) इसका प्राथमिक उद्देश्य व्यक्तिगत अधिगम और विकास में शिक्षार्थियो की सहायता करना।

Scanned with CamScanner

सतत और व्यापक मूल्यांकन के गुण :-

1. अधिक मान्य
2. नियमित
3. समयबद्ध
4. अनुशासन
5. अधिक विश्वसनीय
6. प्रेरक मूल्य
7. नैदानिक मूल्य
8. कोई अनुचित तनाव नहीं
9. छात्रवृत्ति का आधार
10. सकारात्मक परिणाम

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सतत और व्यापक मूल्यांकन के दोष:-

Date : 11

(1) अधिक समय।
(2) शिक्षकों पर बोझ।
(3) व्यक्ति का अधिक प्रयोग।
(4) बड़ी कक्षाओं में सफल नहीं।
(5) कुशलता की कमी।
(6) सभी स्तरों पर उपयोगी नहीं।
(7) पक्षपात की आशंका।
(8) विद्यार्थियों में तनाव की स्थिति।
कार्यान्वन उचित नहीं।

मूल्यांकन के उपकरण

(1) सतत अवलोकन अभिलेखन
(2) चौकालिस्ट
(3) पोर्टफोलियो
(4) कक्षा कार्य
(5) गृह कार्य
(6) प्रोजेक्ट कार्य
(7) अन्य शिक्षकों, अभिभावकों एवं साथियों द्वारा आकलन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

C C E

Continuous – Regular and continuous activities conducted throughout the year to achieve all round development

Comprehensive – Mental, emotional and physical aspects of the student's progress i.e. all round development of the student

Evaluation – Variety of tools and techniques are used to assess and evaluate the student's progress.

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner